



青空文庫 (1) 「吾輩は猫である」 (10) 夏目漱石

月 日 名前

見ながら練習

なぞって練習

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| な | に | ニ | れ | 書 | し | と | 考 | ど | 吾 |
| い | や | ヤ | る | 生 | ば | い | え | う | 輩 |
| 。 | っ | ト | か | が | ら | う | て | し | は |
|   | て | ト | と | ま | く | 分 | 見 | た | 池 |
|   | 見 | ニ | 考 | た | し | 別 | た | ら | の |
|   | た | ヤ | え | 迎 | て | も | 。 | よ | 前 |
|   | が | ト | 付 | に | 泣 | 出 | 別 | か | に |
|   | 誰 | と | い | 来 | い | な | に | ろ | 坐 |
|   | も | 試 | た | て | た | い | こ | う | っ |
|   | 来 | み | 。 | く | ら | 。 | れ | と | て |